इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ. के प्रांगण में दिनांक 25 सितम्बर 2019 को इतिहास विभाग द्वारा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निर्देशानुसार एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसमें महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय, दिल्ली के इतिहास विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार सिंह ने विषय " इतिहास में यादें : विभाजन के परिप्रेक्ष्य में" पर अपने विचार व्यक्त किये। यह व्याख्यान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता के दिशा निर्देशन में हुआ । इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह व सहायक प्रवक्ता सुप्रिया ढांडा ने मुख्य वक्ता को पौधा भेंट कर स्वागत किया। दीपशिखा प्रज्ज्वलित करने के उपरान्त मुख्य वक्ता डॉ. नीरज कुमार सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत का विभाजन माऊंटबेटन योजना के आधार पर निर्मित भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम के आधार पर किया गया जिसमें 15 अगस्त 1947 को भारत व पाकिस्तान अधिराज्य नामक दो स्वायत्त्योपनिवेश बना दिए जाएंगे और उनको ब्रिटिश सरकार सत्ता सौंप देगी और उन्होंने कहा कि विभाजन किसी देश की भूमि का ही नहीं होता अपितु लोगों की भावनाओं का भी होता है। विभाजन के दंगों से अनेक लोग प्रभावित हुए हैं। इस सत्ता हस्तान्तरण में भारी नरसंहार व अशान्ति हेतु तत्कालिक नेतृत्व की अदूरदर्शिता की कमी उत्तरदायी थी। विभाजन के बाद दोनों नए देशों के बीच विशाल जन स्थानांतरण हुआ। सीमा–रेखा तय होने के बाद लगभग 1.45 करोड़ लोगों ने

हिंसा के डर से सीमा पार करके बहुमत संप्रदाय में शरण ली फलस्वरूप काफी दंगा–फसाद हुआ। अनुमान लगाया गया कि इस दौरान लगभग 5 लाख से 30 लाख लोग मारे गए। डॉ. नीरज सिंह ने आधुनिक इतिहास के अनेक तथ्यों एवं साक्ष्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराया और बताया यादों का इतिहास किस प्रकार हमारे मानस पट्टल पर अंकित रहता है और पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तातंरित होता रहता है और इतिहास में इसको संजोने की आवश्यकता है। अंत में विद्यार्थियों ने इस विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे जिनका मुख्य वक्ता ने संतोषजनक जवाब दिया। इस अवसर पर पुस्ताकालय अध्यक्ष डॉ. रामचन्द्र एव्म बी.ए. के इतिहास विषय के सभी विद्यार्थी मौजूद थे। मंच संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने किया। अंत में इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता सुप्रिया ढ़ांडा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।